पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश डिजिटल कौशल मार्गदर्शिका से शिक्षकों को मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा को नई गति देगी योगी सरकार

लखनऊ : 15 नवंबर, 2026

योगी सरकार प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को प्रभावी बनाने और शिक्षण प्रक्रिया को तकनीक से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश की ओर से ब्लॉक स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए 'उत्तर प्रदेश डिजिटल कौशल मार्गदर्शिका' तैयार की गई है। इसके माध्यम से शिक्षकों को डिजिटल संसाधनों का उद्देश्यपूर्ण उपयोग करने, विद्यार्थियों के अधिगम अंतराल पहचानने और जरूरत के अनुसार शैक्षिक सहयोग उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

मार्गदर्शिका के माध्यम से शिक्षकों को विद्यालयों में उपलब्ध स्मार्ट क्लासरूम, आईसीटी लैब और डिजिटल पुस्तकालय के उपकरणों की पहचान, संचालन, शैक्षिक सामग्री तक पहुंच और कक्षा शिक्षण में उनके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी जाएगी। मार्गदर्शिका में प्रशिक्षण के उद्देश्यों, सत्रों के क्रम और डिजिटल संसाधनों के व्यावहारिक उपयोग को विस्तार से शामिल किया गया है।

मार्गदर्शिका में इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल (आईएफपी), ओपीएस, यूपीएस, डेस्कटॉप, वाई–फाई राउटर, प्रिंटर, वेब कैमरा और अन्य उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई है। शिक्षकों को उपकरणों को चालू करने और बंद करने का सही क्रम समझाया जाएगा। सिस्टम चालू करते समय पहले मुख्य विद्युत स्विच, फिर यूपीएस और उसके बाद पैनल एवं ओपीएस चालू करना होगा। बंद करते समय पहले सभी फाइलें और एप्लीकेशन सुरक्षित रूप से बंद कर ओपीएस को शटडाउन करना होगा। इसके बाद पैनल और अंत में यूपीएस एवं मुख्य स्विच बंद किया जाएगा। विद्यालय के सभी उपकरणों का स्टॉक पंजिका में अंकन कराने पर भी जोर दिया गया है।

शिक्षक एलएमएस और दीक्षा के माध्यम से कक्षा एवं विषयवार शिक्षण सामग्री तक पहुंच सकेंगे। इसके अतिरिक्त पीएम ई–विद्या और खान एकेडमी जैसे डिजिटल मंचों के उपयोग की जानकारी भी दी गई है। दीक्षा पर कक्षा 1 से 8 तक की 82 एनर्जाइज्ड पाठ्यपुस्तकों और 16 हजार से अधिक शैक्षिक वीडियो उपलब्ध होने का उल्लेख है। शिक्षक पाठ्यपुस्तकों के क्यूआर कोड स्कैन कर संबंधित वीडियो और गतिविधियों को कक्षा में प्रदर्शित कर सकेंगे। पीएम ई–विद्या के माध्यम से टीवी, रेडियो और ऑफलाइन माध्यमों से भी शिक्षण सामग्री का उपयोग किया जा सकेगा। मार्गदर्शिका में प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट डिजिटल सामग्री के उपयोग का सुझाव दिया गया है। इंटरनेट उपलब्ध न होने की स्थिति में पहले से डाउनलोड सामग्री, दीक्षा की ऑफलाइन सामग्री और पेन ड्राइव में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने की बात कही गई है।

डिजिटल लाइब्रेरी के अंतर्गत 5,000 से अधिक ई–पुस्तकों, समाचार–पत्रों एवं पत्रिकाओं के ई–संस्करण और ऑडियो बुक की सुविधा उपलब्ध है। इसके अकेडमिक मोड के माध्यम से शिक्षक कक्षा में पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम के आधार पर बच्चों का आकलन कर सकेंगे। किसी विषय अथवा टॉपिक को समझने में बच्चों को हो रही कठिनाई की पहचान कर

आवश्यकतानुसार रेमेडियल कैचअप कंटेंट के माध्यम से उसे दूर किया जा सकेगा। इससे शिक्षक प्रत्येक बच्चे की सीखने संबंधी जरूरत पर समान रूप से ध्यान दे सकेंगे।

मार्गदर्शिका में आईसीटी के माध्यम से विद्यार्थियों के आकलन और स्वतंत्र अभ्यास को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। शिक्षक एलएमएस अथवा दीक्षा के प्रश्नों से आकलन कर सकेंगे और परिणामों को निपुण प्लस ऐप में दर्ज कर सकेंगे। जिस प्रश्न पर आधे से अधिक बच्चे गलत उत्तर देंगे, उस अवधारणा को अगले कालांश में दोबारा पढ़ाने का सुझाव दिया गया है। खान एकेडमी और एलएमएस की रिपोर्ट के माध्यम से विद्यार्थियों के अभ्यास एवं प्रगति को ट्रैक करने तथा आवश्यकता के अनुसार कैच–अप शिक्षण कराने पर जोर दिया गया है। शिक्षण प्रक्रिया में 'मैं करके दिखाता हूं, हम मिलकर करते हैं और बच्चे स्वयं करते हैं' के तीन चरणों वाली स्कैफोल्डिंग पद्धति भी शामिल की गई है।

शिक्षक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से पाठ योजना, प्रश्न, कार्यपत्रक और अलग–अलग कठिनाई स्तर की गतिविधियां तैयार कर सकेंगे। हालांकि एआई से प्राप्त सामग्री की तथ्यात्मक शुद्धता और पाठ्यक्रम के अनुरूपता की जांच शिक्षक को स्वयं करनी होगी। विद्यार्थियों के नाम, फोटो, यू–डायस कोड अथवा अन्य व्यक्तिगत एवं गोपनीय जानकारी किसी एआई प्लेटफॉर्म पर साझा नहीं करने की स्पष्ट हिदायत दी गई है। मार्गदर्शिका में उपकरणों को धूल, नमी और अत्यधिक तापमान से बचाने, अनधिकृत एप्लीकेशन इंस्टॉल न करने तथा तकनीकी खराबी आने पर स्वयं मरम्मत का प्रयास न करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उपकरणों की समस्या के समाधान के लिए शिकायत दर्ज कराने और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उसे आगे बढ़ाने की जानकारी दी गई है। इसके लिए विद्या समीक्षा केंद्र के टोल–फ्री नंबर तथा प्रेरणा पोर्टल के कंप्लेंट मॉड्यूल का उपयोग किया जा सकता है।

कोट :

''उत्तर प्रदेश डिजिटल कौशल मार्गदर्शिका' के माध्यम से शिक्षकों को डिजिटल उपकरणों, शैक्षिक मंचों, विद्यार्थियों के आकलन एवं प्रगति की ट्रैकिंग तथा एआई के जिम्मेदार उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि डिजिटल संसाधनों के माध्यम से बच्चों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाया जा सके। स्मार्ट क्लासरूम, आईसीटी लैब एवं डिजिटल पुस्तकालय जैसी सुविधाओं का प्रभावी उपयोग शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को रोचक और परिणामोन्मुख बनाएगा।'–मोनिका रानी, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश।

सम्पर्क सूत्र– धर्मवीर खरे

राम यतन/06:00 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in